1. **राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र की कमी का परिणाम क्या होता है?**
   A. सत्ता का विकेंद्रीकरण
   B. सत्ता का कुछ नेताओं के हाथ में केंद्रीकरण
   C. सभी सदस्यों का समान प्रतिनिधित्व
   D. बार-बार नेतृत्व परिवर्तन (B)

व्याख्या : आंतरिक लोकतंत्र की कमी से निर्णय लेने का अधिकार कुछ नेताओं तक सीमित हो जाता है।

2. **राजनीतिक दलों में वंशानुगत उत्तराधिकार का क्या नतीजा है?**
   A. सभी नेताओं को बराबरी का मौका मिलता है
   B. सामान्य कार्यकर्ताओं के लिए ऊपर आना कठिन हो जाता है
   C. नेतृत्व का बार-बार परिवर्तन होता है
   D. केवल महिला नेताओं को मौका मिलता है (B)

व्याख्या : वंशानुगत उत्तराधिकार से नेतृत्व प्रायः एक ही परिवार के हाथ में रहता है, जिससे नए नेताओं का उभरना कठिन होता है।

3. **चुनावों में अपराधियों की भागीदारी क्यों बढ़ी है?**
   A. उनके पास अधिक धन और प्रभाव होता है
   B. वे पढ़े-लिखे होते हैं
   C. उन्हें जनता का विश्वास ज्यादा होता है
   D. वे सामाजिक कार्य करते हैं (A)

व्याख्या : दल अक्सर उन उम्मीदवारों को टिकट देते हैं जिनके पास अधिक धन और प्रभाव होता है, जिसमें अपराधी भी शामिल हो जाते हैं।

4. **राजनीतिक दलों की वैचारिक विकल्पहीनता का क्या अर्थ है?**
   A. दल एक-दूसरे से वैचारिक रूप से बहुत अलग हैं
   B. दल वैचारिक रूप से कम भिन्न हैं और मतदाताओं के विकल्प सीमित हो जाते हैं
   C. दल नए विचार लाते रहते हैं
   D. दल केवल धर्म पर आधारित होते हैं (B)

व्याख्या : दलों के बीच वैचारिक अंतर घटने से मतदाताओं के सामने विकल्प सीमित हो जाते हैं।

5. **दल-बदल विरोधी कानून का मुख्य उद्देश्य क्या था?**
   A. स्वतंत्र उम्मीदवारों को रोकना
   B. सांसदों और विधायकों को बार-बार दल बदलने से रोकना
   C. चुनाव आयोग की शक्ति घटाना
   D. राज्य दलों को बढ़ावा देना (B)

व्याख्या : इस कानून का उद्देश्य सांसदों और विधायकों को दल-बदल से रोकना और स्थिरता बनाए रखना था।

6. **सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार उम्मीदवारों को क्या घोषित करना अनिवार्य है?**
   A. अपना धर्म
   B. अपनी जाति
   C. अपनी संपत्ति और आपराधिक मामलों का ब्यौरा
   D. अपने समर्थकों की संख्या (C)

व्याख्या : उम्मीदवारों को शपथपत्र में अपनी संपत्ति और आपराधिक मामलों का ब्यौरा देना अनिवार्य है।

7. **चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों के लिए कौन-सी शर्त अनिवार्य की है?**
   A. केवल चुनाव प्रचार में भाग लेना
   B. संगठनात्मक चुनाव कराना और आयकर रिटर्न दाखिल करना
   C. केवल संसद में भाग लेना
   D. उम्मीदवारों की शिक्षा घोषित करना (B)

व्याख्या : चुनाव आयोग ने दलों को संगठनात्मक चुनाव कराने और आयकर रिटर्न दाखिल करने को अनिवार्य किया।

8. **राजनीतिक दलों के सुधार के लिए एक सुझाव क्या है?**
   A. दलों पर कोई नियंत्रण न हो
   B. महिलाओं को एक-तिहाई टिकट देना अनिवार्य हो
   C. केवल पुरुष उम्मीदवारों को मौका मिले
   D. सभी चुनाव स्थगित कर दिए जाएँ (B)

व्याख्या : सुधार के सुझावों में एक महत्वपूर्ण सुझाव है कि दल महिलाओं को कम-से-कम एक-तिहाई टिकट दें।

9. **चुनाव खर्च का वहन कौन करे, ऐसा एक सुझाव है?**
   A. उम्मीदवार स्वयं
   B. केवल दल
   C. सरकार
   D. न्यायपालिका (C)

व्याख्या : सुधार के सुझावों में चुनाव खर्च का वहन सरकार द्वारा किए जाने की बात भी शामिल है।

10. **राजनीतिक दलों में सुधार की सबसे बड़ी चुनौती क्या है?**
    A. दल स्वयं ऐसे कानून पारित नहीं करेंगे जो उनके खिलाफ हों
    B. जनता सुधार नहीं चाहती
    C. चुनाव आयोग सुधार नहीं चाहता
    D. न्यायपालिका सुधार के खिलाफ है (A)

व्याख्या : दल अक्सर ऐसे कानून पारित नहीं करना चाहते जो उनकी शक्तियों को सीमित करें, इसलिए सुधार कठिन हो जाता है।